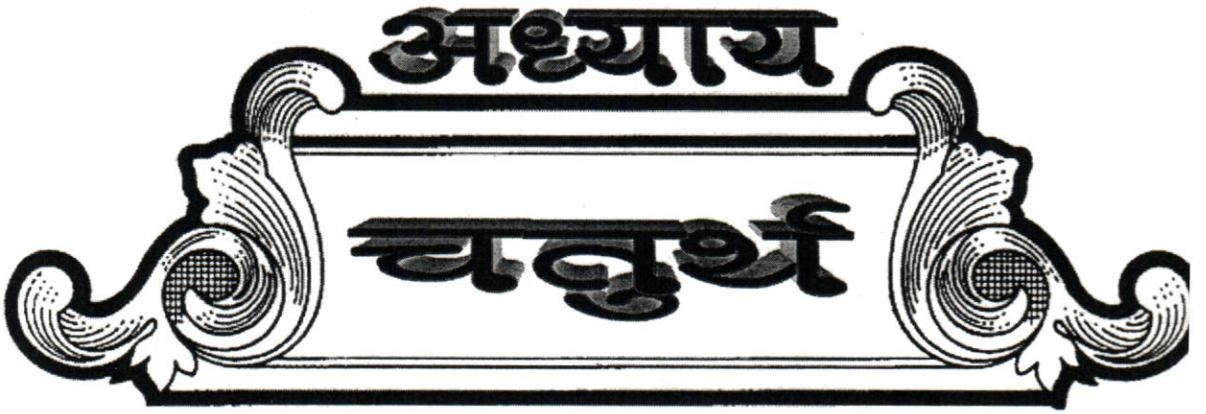

प्रश्नों का विश्लेषण

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण

4.1 भूमिका :–

चयनित उपकरण का उपयोग करके प्रदत्तों के संकलन के उपरान्त शोध उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। जिसके लिये संग्रहित प्रदत्तों का उपयुक्त सांख्यिकी विधि द्वारा विश्लेषण किया जाता है, जिससे शोध उद्देश्य प्राप्ति हेतु की गई परिकल्पनाओं की सत्यता की जांच की जा सके। जांच के उपरान्त प्राप्त परिणाम का विश्लेषण किया जाता है। जो शोध उद्देश्यों को शोध परिणाम में परिणित कर देता है। इसी प्रकार का विश्लेषण प्रस्तुत व अध्याय में किया गया है, परन्तु अध्याय में व्यवसाय कारकों से तात्पर्य धारित पद, पद कार्य, वेतनमान, विद्यालय प्रशासन, नियमित शिक्षकों का व्यवहार, शिक्षा विभाग के नियम तथा सामाजिक प्रतिष्ठा से है।

परिकल्पना–1

पैराशिक्षकों में लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिये व्यवसायकारकों को सात भागों में बाँटा गया है। प्राप्त परिणामों को सारणी–4.1 में प्रदर्शित किया गया है।

4.2 लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :

सारणी 4.1 : लिंग के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि सारणी

व्यवसाय कारक	लिंग	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	%within Sex	%within Factor	f	%within Sex	%within Factor			
धारित पद	पुरूष	8	5.5	40	137	94.5	76.1	-	-	-
	स्त्री	12	21.8	60	43	78.2	23.9	11.77	1	0.001
	योग	**20**	**10%**	**-**	**180**	**90%**	-	-	-	-
पद कार्य	पुरूष	118	81.4	72	27	18.6	75	-	-	-
	स्त्री	46	83.6	28	9	16.4	25	0.138	1	0.71
	योग	**164**	**82%**	**-**	**36**	**18%**	-	-	-	-
वेतनमान	पुरूष	-	-	-	145	100	72.5	-	-	-
	स्त्री	-	-	-	55	100	27.5	-	-	-
	योग	**-**	**-**	**-**	**200**	**100%**	-	-	-	-
विद्यालय प्रशासन	पुरूष	63	43.4%	79.7	82	56.6	67.81	-	-	-
	स्त्री	16	29.17	20.3	39	70.9	32.2	3.44	1	0.06
	योग	**79**	**39.5%**	**-**	**121**	**60.5%**	-	-	-	-
नियमित शिक्षकों से संबंध	पुरूष	34	23.4	59.6	111	76.6	77.6	-	-	-
	स्त्री	23	41.8	40.4	32	58.2	22.4	6.603	1	0.0
	योग	**57**	**28.5%**	**-**	**143**	**71.5%**	-	-	-	-
विभागीय नियम	पुरूष	31	21.4	75.6	114	78.6	71.7	-	-	-
	स्त्री	10	18.2	24.4	45	81.8	28.3	0.250	1	0.6
	योग	**41**	**20.5%**	**-**	**159**	**79.5**				
सामाजिक प्रतिष्ठा	पुरूष	58	40	73.4	87	60	71.9	-	-	-
	स्त्री	21	38.2	26.6	34	61.8	28.1	0.055	1	0.8
	योग	**79**	**39.5%**	**-**	**121**	**60.5**				

उपरोक्त सारणी 4.1 में स्पष्ट है कि 90 प्रतिशत अध्यापक अपने पद से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 78.1 प्रतिशत पुरूष तथा 23.9 प्रतिशत महिला अध्यापक हैं। जो यह दिखाता है कि पहुंच शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अपने पद से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोकत सारणी के अनुसार केवल 10 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

18 प्रतिशत अध्यापक अपने कार्य से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 75 प्रतिशत पुरूष शिक्षक तथा 25 प्रतिशत महिला अध्यापक हैं। इससे से स्पष्ट है कि पुरूष शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अपने कार्य से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार 82 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने कार्य से संतुष्ट हैं, जो देश के उज्जवल भविष्य का संकेत देते हैं।

कोई भी अध्यापक अपने वेतनमान से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 72.5 प्रतिशत पुरूष तथा 27.5 प्रतिशत महिला अध्यापक हैं।

60.5 प्रतिशत अध्यापक पाठशाला व्यवस्था से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 67.8 प्रतिशत पुरूष एवं 32.2 प्रतिशत महिला अध्यापक हैं, जिससे हम यह कह सकते हैं कि पुरूष शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त केवल 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपनी पाठशाला व्यवस्था से संतुष्ट है।।

71.5 प्रतिशत अध्यापक साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 76.6 प्रतिशत पुरूष तथा 58.2 प्रतिशत महिला अध्यापक हैं। इसके अतिरिक्त 28.5 अध्यापक अपने साथ नियमित शिक्षकों से संतुष्ट हैं।

79.5 प्रतिशत अध्यापक अपने विभागीय नियमों से असंतुष्ट है, जिनमें 71.7 प्रतिशत पुरूष तथा 28.3 प्रतिशत महिला शामिल हैं। जिसमें हम कह सकते हैं कि पुरूष शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं।

इसके अतिरिक्त केवल 20.5 प्रतिशत अध्यापक ही अपने विभागीय नियमों से संतुष्ट है।

60.5 प्रतिशत अध्यापक अपने सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट है, जिनमें 71.9 प्रतिशत पुरूष तथा 28.1 प्रतिशत महिला अध्यापक हैं, जो यह दिखाता हे कि पुरूष शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अपने सामाजिक प्रतिष्ठा से अधिक असंतुष्ट हैं, इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी में के अनुसार केवल 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

उपरोक्त सभी कारकों में लिंग के आधार पर पुरूष की तुलना महिलाएं अधिक संतुष्ट पायी जाती हैं, जिसका कारण महिलाओं की संम्भवतः उच्च समायोजनशीलता एवं सहयोगशीलता हो सकता है, जो उन्हें कक्षा में बच्चों के साथ तथा कक्षा के बाहर अपने सहयोगियों के साथ घुलमिल जाती हैं। शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलग-अलग कारकों में असंतुष्टता के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें वेतन, कार्य की स्थिति एवं शर्तें, सामाजिक स्तर, शिक्षा नीति आदि प्रमुख हैं।

सार्थकता की जाँच :-

सारणी 4.1 से स्पष्ट है कि- लिंग के आधार पर पुरूष पैरा शिक्षक तथा महिला पैरा शिक्षकों के पद तथा नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्टि में सार्थक अन्तर है, जबकि पैराशिक्षकों में लिंग के आधार पर अन्य शेष व्यवसाय कारकों में अन्तर नहीं है।

परिकल्पना-2 :-

दूसरी परिकल्पना यह है कि पैरा शिक्षकों में स्कूल के प्रकार (शासकीय तथा अर्द्धशासकीय) के आधार पर व्यवसाय कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना के परीक्षण हेतु व्यवसायकारकों को सात भागों में बाँटा गया है और प्राप्त परिणामों को सारणी 4.2 में प्रदर्शित किया गया है।

4.3 विद्यालय के प्रकार के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :-

सारणी 4.2 : विद्यालय के प्रकार के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि

व्यवसाय कारक	विद्यालय प्रकार	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
धारित पद	शासकीय	14	10.1	70	124	89.9%	68.9	-	-	-
	अर्द्धशास.	6	9.7	30	56	90.3	31.1	0.010	1	0.91
	योग	**20**	**10%**	**-**	**180**	**90**	**-**	**-**	**-**	**-**
पद कार्य	शासकीय	116	84.1	70.7	22	15.9	61.1	-	-	-
	अर्द्धशास.	48	77.4	29.3	14	22.6	38.9	1.277	1	0.25
	योग	**164**	**82%**	**-**	**36**	**18%**	**-**	**-**	**-**	**-**
वेतनमान	शासकीय	138	-	-	132	100	69	-	-	-
	अर्द्धशास.	62	-	-	62	100	31	-	-	-
	योग	**200**	**-**	**-**	**200**	**100%**	**-**	**-**	**-**	**-**
शाला व्यवस्थापन	शासकीय	55	39.9	69.6	83	60.1	68.6			
	अर्द्धशास.	24	38.7	30.4	38	61.3	31.4	0.23	1	0.7
	योग	**79**	**39.5**	**-**	**121**	**60.5**	**-**	**-**	**-**	**-**
नियमित शिक्षकों से सम्बन्ध	शासकीय	40	29	70.2	98	71	68.5	-	-	-
	अर्द्धशास.	17	27.4	29.8	45	72.6	31.5	0.051	1	0.8
	योग	**57**	**28.5**	**-**	**143**	**71.5**	**-**	**-**	**-**	**-**

व्यवसाय कारक	विद्यालय प्रकार	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
विभागीय नियम	शासकीय	26	18.8	63.4	112	81.2	70.4			
	अर्द्धशास.	15	24.2	36.6	47	75.8	29.6	0.752	1	0.386
	योग	**41**	**20.5%**	-	**159**	**79.5**				
सामाजिक प्रतिष्ठा	शासकीय	57	41.3	72.2	81	58.7	66.9	-	-	-
	अर्द्धशास.	22	35.5	27.8	40	64.5	33.1	0.606	1	0.43
	योग	**79**	**39.5**	-	**121**	**60.5**	-	-	-	-

उपरोक्त सारणी 4.2 से स्पष्ट है कि शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विद्यालय के 90 प्रतिशत अध्यापक अपने पद से संतुष्ट नहीं है। जिनमें 68.9 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 31.17 शिक्षक अर्द्धशासकीय विद्यालय से हैं। जो यह दिखाता है कि शासकीय विद्यालय के शिक्षक वर्ग अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में पद से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार शासकीय अर्द्धशासकीय विद्यालय के कारण केवल 10 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

18 प्रतिशत अध्यापक अपने कार्य से संतुष्ट नहीं है। जिनमें 61.1 शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 38.9 प्रतिशत शिक्षक अशासकीय विद्यालय से हैं जो यह दिखाता है कि शासकीय विद्यालय के शिक्षकों अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अपने कार्य से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार शासकीय अर्द्धशासकीय विद्यालय के 82 प्रतिशत शिक्षक शिक्षिकाएं अपने कार्य से संतुष्ट हैं।

शासकीय और अशासकीय विद्यालय के कोई भी शिक्षक अपने वेतनमान से संतुष्ट नहीं है जिनमें 69 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 31 प्रतिशत शिक्षक अर्द्धशासकीय विद्यालय से से है।

60.5 प्रतिशत शिक्षक पाठशाला व्यवसाय से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 68.6 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 31.4 प्रतिशत है, जिसमें अर्द्धशासकीय विद्यालय से हैं। जो यह यह दिखाता है कि शासकीय विद्यालय के शिक्षकों अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में पाठशाला व्यवस्था से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार शासकीय अर्द्धशासकीय विद्यालय के 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने पाठशाला व्यवस्थापन से संतुष्ट हैं।

71.5 प्रतिशत शिक्षक साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 68.5 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 31.5 प्रतिशत शिक्षक अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में साथी नियमित शिक्षकों से अधिक असंतुष्ट हैं।

इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार शासकीय अर्द्धशासकीय विद्यालय के 28.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट है।

79.5 प्रतिशत अध्यापक विभागीय नियमों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 70.4 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय नियमों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 70.4 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 29.6 प्रतिशत शिक्षक अर्द्धशासकीय विद्यालय से है। जो यह दिखाना है कि शासकीय विद्यालय के शिक्षकों अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में विभागीय नियमों से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त सारणी के अनुसार शासकीय,

अर्द्धशासकीय विद्यालय के 20.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने विभागीय नियमों से संतुष्ट हैं।

60.5 प्रतिशत अध्यापक अपने सामाजिक स्टेट्स से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 66.9 प्रतिशत शिक्षक शासकीय विद्यालय से और 33.1 प्रतिशत शिक्षक अर्द्धशासकीय विद्यालय से है, जो यह दिखाता है कि शासकीय विद्यालय के शिक्षकों अर्द्धशासकीय विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अपने सामाजिक स्टेट्स से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त सारणी के अनुसार शासकीय, अर्द्धशासकीय विद्यालय के 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने सामाजिक स्टेट्स से संतुष्ट है।

उपरोक्त सभी कारकों में स्कूल के आधार पर शासकीय विद्यालय की तुलना में अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों में अधिक संतुष्टि पायी जाती है, जिसका कारण संस्थानों को कुछ अच्छा कर दिखाने की भावना हो सकती है। वेतनमान के मामले में दोनों प्रकार के विद्यालयों में असंतुष्टि पायी जाती हैं शिक्षक-शिक्षिकाओं के अलग-अलक कारकों में असंतुष्टता के कई कारक हो सकते हैं।

सार्थकता की जाँच :-

उपर्युक्त सारणी 4.2 से स्पष्ट है कि पैरा शिक्षकों में स्कूल के प्रकार के आधार पर व्यवसायिक कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना-3 :-

तीसरी परिकल्पना यह है कि पैरा शिक्षकों में स्थान (ग्रामीण तथा शहरी) के आधार पर व्यवसाय कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना के परीक्षण के लिये व्यवसायकारकों को सात भागों में बाँटा गया है। प्राप्त परिणामों को सारणी 4.3 में प्रदर्शित किया गया है।

4.4 स्थान के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :-

सारणी 4.3 : स्थान के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि सारणी

व्यवसाय कारक	स्थानीय	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
धारित पद संतुष्टि	शहरी	5	10.4	25	43	89.6	23.9	-	-	-
	ग्रामीण	15	9.9	75	137	90%	76.1	0.012	1	0.912
	योग	**20**	**10**	**-**	**180**	**90**	**-**	**-**	**-**	**-**
पद कार्य	शहरी	37	77.1	22.6	11	22.9	30.6	-	-	-
	ग्रामीण	127	83.6	77.4	25	16.4	69.4	1.034	1	0.309
	योग	**164**	**82%**	**-**	**36**	**18%**	**-**	**-**	**-**	**-**
वेतनमान	शहरी	-	-	-	48	100	24	-	-	-
	ग्रामीण	-	-	-	152	100	76	-	-	-
	योग	**-**	**-**	**-**	**200**	**100**	**100**	**-**	**-**	**-**
शाला विद्यालय प्रशासन	शहरी	25	52.1	31.6	23	47.9	19	-	-	-
	ग्रामीण	54	35.5	68.4	98	64.5	81	4.185	1	0.041
	योग	**79**	**39.5**	**-**	**121**	**60.5**	**-**	**-**	**-**	**-**
नियमित शिक्षकों से संबंध	शहरी	15	31.3	26.3	33	68.8	23.1	-	-	-
	ग्रामीण	42	27.6	73.7	110	72.4	76.9	0.234	1	0.62
	योग	**57**	**28.5**		**143**	**71.5**	**-**	**-**	**-**	**-**

व्यवसाय कारक	स्थानीय	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
विभागीय नियम	शहरी	13	27.1	31.7	35	72.9	22	-	-	-
	ग्रामीण	28	18.4	68.3	124	81.6	78	1.680	1	0.195
	योग	**41**	**20.5**	-	**159**	**79.5**	-	-	-	-
सामाजिक प्रतिष्ठा	शहरी	18	37.5	22.8	30	62.5	24.8	-	-	-
	ग्रामीण	61	40.1	77.2	91	59.9	75.2	0.106	1	0.745
	योग	**79**	**39.5**	-	**121**	**60.5**	-	-	-	-

उपरोक्त सारणी 4.3 से यह स्पष्ट है कि शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय के 90 प्रतिशत अध्यापक अपने व्यवसाय के पद से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 23.9 प्रतिशत शहरी शिक्षक और 76.1 प्रतिशत ग्रामीण शिक्षक सम्मिलित है। जो यह दिखाता है कि ग्रामीण शिक्षक शहरी शिक्षकों की तुलना में अपने व्यवसाय के पद से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के केवल 10 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

18 प्रतिशत अध्यापक अपने कार्य से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 30.6 प्रतिशत शहरी शिक्षक और 69.4 प्रतिशत ग्रामीण शिक्षक शामिल हैं, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण विद्यालय के शिक्षक शहरी विद्यालय शिक्षकों की तुलना में अपेन कार्य से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के 82 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने कार्य से

कोई भी शिक्षक अपने वेतमान से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 24 प्रतिशत शहरी शिक्षक और 76 प्रतिशत ग्रामीण शिक्षक हैं।

60.5 प्रतिशत अध्यापक शाला व्यवस्थापन से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 19 प्रतिशत शिक्षक शहरी क्षेत्र से और 81 प्रतिशत शिक्षक ग्रामीण क्षेत्र से है, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण विद्यालय के शिक्षकों शहरी विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में शाला व्यवस्थापन से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं हैं। शाला व्यवस्थापन से संतुष्ट हैं।

71.5 प्रतिशत शिक्षक साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 23.1 प्रतिशत शिक्षक शहरी क्षेत्र से और 76.9 प्रतिशत शिक्षक ग्रामीण क्षेत्र से है। जो यह दिखाता है कि ग्रामीण विद्यालय के शिक्षक शहरी विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अपने साथी नियमित शिक्षकों से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के 28.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं साथी नियमित शिक्षकों संतुष्ट है।

79.5 प्रतिशत अध्यापक विभागीय नियमों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 22 प्रतिशत शिक्षक शहरी क्षेत्र से और 78 प्रतिशत शिक्षक ग्रामीण क्षेत्र से हैं, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक शहरी क्षेत्र के शिक्षक की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों के 20.5 प्रतिशत शिक्षक - शिक्षिकाएं ही विभागीय नियमों से संतुष्ट है।

60.5 प्रतिशत अध्यापक सामाजिक स्टेट्स से संतुष्ट नहीं है। जिसमें 24. 8 प्रतिशत शिक्षक शहरी क्षेत्र से और 75.2 प्रतिशत शिक्षक ग्रामीण क्षेत्र से है। जो यह दिखाता है कि ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक शहरी क्षेत्र के शिक्षक की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं

शहरी विद्यालयों के 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने सामाजिक स्टेट्स से संतुष्ट है।

परिकल्पना के सार्थकता की जाँच :-

पैरा शिक्षकों में स्थान (ग्रामीण तथा शहरी) के आधार पर विद्यालय प्रशासन के अलावा बाकी किसी व्यावसायिक कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है। पैरा शिक्षकों में स्थान के आधार पर विद्यालय प्रशासन में सार्थकर अन्तर है।

परिकल्पनाएं-4 :-

चौथी परिकल्पना यह है कि पैरा शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना के परीक्षण के लिये व्यवसायकारकों को सात भागों में बाँटा गया है। प्राप्त परिणामों का सारणी 4.4 में प्रदर्शित किया गया है।

4.5 शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :-

सारणी-4.4 : शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि सारणी

व्यवसाय कारक	शैक्षणिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
धारित पद	12वीं	4	28.6	20	10	71.4	5.6	-	-	-
	स्नातक	10	14.5	50	59	85.5	32.8	9.998	2	0.00
	स्नातकोत्तर	6	5.1	30	111	94.9	61.7	-	-	-
	योग	**20**	**10**	**8**	**180**	**90**	-	-	-	-
पद कार्य	12वीं	13	92.9	7.9	1	7.1	2.8	-	-	-
	स्नातक	57	82.6	34.8	12	17.4	33.3	1.353	2	0.5(
	स्नातकोत्तर	94	80.3	57.3	23	19.7	63.9			
	योग	**164**	**82**	-	**36**	**18**	-	-	-	-

व्यवसाय कारक	शैक्षणिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
वेतनमान	12वीं	-	-	-	14	100	7	-	-	-
	स्नातक	-	-	-	69	100	34.5	-	-	-
	स्नातकोत्तर	-	-	-	117	100	58.5	-	-	-
	योग	**-**	**-**	**-**	**200**	**100**	**-**	**-**	**-**	**-**
विद्यालय प्रशासन	12वीं	7	50	8.9	7	50	5.8			
	स्नातक	31	44.9	39.2	38	55.1	31.4	2.469	2	0.291
	स्नातकोत्तर	41	35	51.9	76	65	62.8			
	योग	**79**	**39.5**	**-**	**121**	**60.5**	**-**	**-**	**-**	**-**
नियमित शिक्षकों से संबंध	12वीं	4	28.6	7	10	71.4	7	-	-	-
	स्नातक	22	31.9	38.6	47	68.1	32.9	0.618	2	0.73
	स्नातकोत्तर	31	26.5	54.4	86	73.5	60.1	-	-	-
	योग	**57**	**28.5**	**-**	**143**	**71.5**	**-**	**-**	**-**	**-**
विभागीय नियम	12वीं	2	14.3	4.9	12	85.7	7.5	-	-	-
	स्नातक	19	27.5	46.3	50	72.5	31.4	3.261	2	0.19
	स्नातकोत्तर	20	17.1	48.8	97	82.9	61	-	-	-
	योग	**41**	**20.5**		**159**	**79.5**	**-**	**-**	**-**	**-**

व्यवसाय कारक	शैक्षणिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
सामाजिक प्रतिष्ठा	12वीं	7	50	8.9	7	50	5.8	-	-	-
	स्नातक	27	39.1	34.2	42	60.9	34.7	0.703	2	0.704
	स्नातकोत्तर	45	38.5	57	72	61.5	59.5	-	-	-
	योग	**79**	**39.5**	**-**	**121**	**60.5**	**-**	**-**	**-**	**-**

उपरोक्त सारणी 4.4 से यह स्पष्ट है कि शैक्षिक योग्यता (एच.एस.सी.), स्नातक, स्नातकोत्तर) के आधार पर

90 प्रतिशत अध्यापक अपने पद से संतुष्ट नहीं है। जिसमें 5.6 प्रतिशत एच.एस.सी. पास, 32.8 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 61.7 शिक्षक अनुस्नातक है। जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक स्नातक शिक्षकों की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12वीं पास शिक्षक की तुलना में अपेन पद से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी. स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 10 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

18 प्रतिशत अध्यापक अपने कार्य से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 2.8 प्रतिशत शिक्षक एच.एस.सी. पास, 33.3 शिक्षक स्नातक और 63.9 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर है। जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक स्नातक शिक्षक की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12वीं पास शिक्षकों की तुलना में अपने पद से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार, एच.एस.सी. स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 82 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट है।।

कोई भी शिक्षक अपने वेतनमान से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 7 प्रतिशत एच.एस.सी. पास शिक्षक, 34.5 प्रतिशत स्नातक और 58.5 प्रतिशत स्नातकोत्तर डिग्रीधारी शिक्षक हैं।

60.5 प्रतिशत अध्यापक शाला व्यवस्थापन से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 5.8 प्रतिशत शिक्षक एच.एस.सी. पास, 31.4 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 62.8 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर डिग्रीधारी हैं, जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षकों स्नातक शिक्षकों की तुलना में और स्नातक शिक्षक एच.एस.सी. पास शिक्षकों की तुलना में अपने शाला व्यवस्थापन से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने शाला व्यवस्थापन से संतुष्ट हैं।

71.5 प्रतिशत शिक्षक साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 7 प्रतिशत शिक्षक 12वीं पास, 32.9 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 60.1 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर डिग्रीधारी है। जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक स्नातक शिक्षक की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12वीं पास शिक्षकों की तुलना में अपने साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट नहीं है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार 28.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही अपने साथी नियमित शिक्षकों से संतुष्ट है।

79.5 अध्यापक विभागीय नियमों से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 7.5 प्रतिशत शिक्षक 12वीं पास, 31.4 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 61 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर डिग्रीधारी हैं, जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक स्नातक शिक्षकों की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12वीं पास शिक्षकों की तुलना में अपने विभागीय नियमों से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार 20.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं ही विभागीय नियमों से संतुष्ट हैं।

60.5 प्रतिशत अध्यापक सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 5.8 शिक्षक 12वीं पास, 34.7 प्रतिशत स्नातक और 59.5 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर डिग्रीधारी हैं। जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षकों, स्नातक शिक्षकों की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12वीं पास शिक्षकों की तुलना में अपने सामाजिक प्रतिष्ठा से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी अनुसार 39.5 प्रतिशत शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

परिकल्पना के सार्थकता की जाँच :-

पैरा शिक्षकों में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर पद से संतुष्टि को छोड़कर व्यावसायिक कारकों में कोई अन्तर नहीं है। पैरा शिक्षकों में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सिर्फ पद से संतुष्टि से सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना-5 :-

पाँचवीं परिकल्पना यह है कि पैरा शिक्षकों में व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना के परीक्षण के लिये व्यवसायकारकों को सात भागों में बाँटा गया है और प्राप्त परिणामों का सारणी 4.5 में प्रदर्शित किया गया है।

4.6 व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :-

सारणी 4.5 : व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय कारकों में संतुष्टि

व्यवसाय कारक	व्यवसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
धारित पद	डी.एड.	3	15.8	15	16	84.2	8.9	-	-	-
	बी.एड.	3	4.2	15	69	95.8	38.3	-	-	-

व्यवसाय कारक	व्यवसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
	एम.एड.	-	-	-	3	100	1.7	4.985	4	0.289
	बी.टी.सी.	2	12.5	10	14	87.5	7.8	-	-	-
	अप्रशिक्षित	12	13.3	60	78	86.7	43.3	-	-	-
	योग	**20**	**10%**		**180**	**90**	**-**	**-**	**-**	**-**
पद कार्य	डी.एड.	19	100	11.6	-	-	-	-	-	-
	बी.एड.	57	79.2	34.8	15	20.8	41.7	-	-	-
	एम.एड.	3	100	1.8	-	-	-	5.471	4	0.242
	बी.टी.सी.	13	81.3	7.9	3	18.8	8.3	-	-	-
	अप्रशिक्षित	72	80	43.9	18	20	50	-	-	-
	योग	**164**	**82%**		**36**	**18%**		-	-	-
वेतनमान	डी.एड.	-	-	-	19	100	9.5	-	-	-
	बी.एड.	-	-	-	72	100	36	-	-	-
	एम.एड.	-	-	-	3	100	1.5	-	-	-
	बी.टी.सी.	-	-	-	16	100	8	-	-	-
	अप्रशिक्षित	-	-	-	90	100	45	-	-	-
	योग	**-**	**-**	**-**	**200**	**100**	**100**	**-**	**-**	**-**

व्यवसाय कारक	व्यवसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
विद्यालय प्रशासन	डी.एड.	7	36.8	8.9	12	63.2	9.9	-	-	-
	बी.एड.	33	45.8	41.8	39	54.2	32.2	-	-	-
	एम.एड.	2	66.7	2.5	1	33.3	0.8	3.744	4	0.442
	बी.टी.सी.	7	43.8	8.9	9	56.3	7.4	-	-	-
	अप्रशिक्षित	30	33.3	38	60	66.7	49.6	-	-	-
	योग	**79**	**39.5**		**121**	**60.5**		-	-	-
नियमित शिक्षक से संबंध	डी.एड.	3	15.8	5.3	16	84.2	11.2	-	-	-
	बी.एड.	22	30.6	38.6	50	69.4	35			
	एम.एड.	3	100	5.3	-	-	-	11.291	4	0.023
	बी.टी.सी.	2	12.5	3.5	14	87.5	9.8	-	-	-
	अप्रशिक्षित	27	30	47.4	63	70	44.1	-	-	-
	योग	**57**	**28.5**	**-**	**143**	**71.5**		-	-	-
विभागीय नियम	डी.एड.	4	21.1	9.8	15	78.9	9.4	-	-	-
	बी.एड.	17	23.6	41.5	55	76.4	34.6	-	-	-
	एम.एड.	-	-	-	3	100	1.9	1.378	4	0.848
	बी.टी.सी.	3	18.8	7.3	1.3	81.3	8.2	-	-	-
	अप्रशिक्षित	17	18.9	41.5	73	81.1	45.9	-	-	-
	योग	**41**	**20.5**	**-**	**159**	**79.5**	-	-	-	-

व्यवसाय कारक	व्यवसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig.
		f	% within Sex	% within Factor	f	% within Sex	% within Factor			
सामाजिक प्रतिष्ठा	डी.एड.	5	26.3	6.3	14	73.7	11.6	-	-	-
	बी.एड.	34	47.2	43	38	52.8	31.4	-	-	-
	एम.एड.	-	-	-	3	100	2.5	5.607	4	0.230
	बी.टी.सी.	5	31.3	6.3	11	68.8	9.1	-	-	-
	अप्रशिक्षित	35	38.9	44.3	55	61.1	45.5	-	-	-
	योग	**79**	**39.5**	**-**	**121**	**60.5**	**-**	**-**	**-**	**-**

उपरोक्त सारणी 4.5 से यह स्पष्ट है कि व्यावसायिक योग्यता (डी.एड, बी.एड., एम.एड., बी.टी.सी. और अप्रशिक्षित) के आधार पर।

90 प्रतिशत अध्यापक अपने पद से संतुष्ट नहीं है, जिसमें डी.एड. शिक्षक 8.9 प्रतिशत, बी.एड. शिक्षक 38.3 प्रतिशत, एम.एड. शिक्षक 1.7 प्रतिशत, बी. टी.सी. शिक्षक 7.8 प्रतिशत और अप्रशिक्षित शिक्षक 43.3 प्रतिशत है। जो यह दिखाता है कि अप्रशिक्षित शिक्षक सबसे ज्यादा असंतुष्ट है। अपने पद से संतुष्ट है, जिनमें सर्वाधिक संतुष्ट 15 प्रतिशत डी.एड. डिग्रीधारी है।

इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत शिक्षक ही अपने पद से संतुष्ट है।

82 प्रतिशत अध्यापक अपने कार्य से संतुष्ट है, जिनमें डी.एड. प्रशिक्षित 11.6 प्रतिशत बी.एड. प्रशिक्षित 34.87, एम.एड. प्राशिक्षित 1.8 प्रतिशत बी.टी. सी. प्रशिक्षित 7.9 प्रशिक्षित तथा अप्रशिक्षित शिक्षकों का प्रतिशत 43.9 है। जो यह दिखाना है कि अन्य अध्यापकों की तुलना में प्रशिक्षित अध्यापक अपने

कार्य से सर्वाधिक संतुष्ट है। इसके विपरीत मात्र 18 प्रतिशत अध्यापक अपने कार्य से असंतुष्ट है।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि सभी अध्यापक अपने वेतनमान से असंतुष्ट हैं।

60.5 प्रतिशत अध्यापक, विद्यालय प्रशासन से असंतुष्ट है, जिसमें डी.एड. प्रशिक्षित 9.9 प्रतिशत, बी.एड. प्रशिक्षित 32.2 प्रतिशत, एम.एड. प्रशिक्षित, 0.8 प्रशिक्षित 0.8 प्रतिशत बी.टी.सी. प्रशिक्षित 7.4 प्रतिशत तथा अप्रशिक्षित शिक्षकों का प्रतिशत 49.6 है। जो यह दिखाता है कि अन्य अध्यापकों की तुलना में अप्रशिक्षित अध्यापकों विद्यालय प्रशासन से सर्वाधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त 39.5 प्रतिशत अध्यापक विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट है, जिनमें सर्वाधिक संतुष्ट प्रतिशत (66.7 प्रतिशत) एम.एड. प्रशिक्षित अध्यापकों की है।

71.5 प्रतिशत अध्यापक नियमित शिक्षकों के संबंध से असंतुष्ट है। जिसमें डी.एड. प्रशिक्षित 11.2 प्रतिशत बी.एड. प्रशिक्षित 35 प्रतिशत एम.एड. प्रशिक्षित 0.00 बी.टी.सी. प्रशिक्षित 9.8 प्रतिशत तथा अप्रशिक्षित अध्यापकों का प्रतिशत 44.1 है। जो यह दिखाता है कि अप्रशिक्षित शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से सर्वाधिक असंतुष्ट है। जबकि मात्र 28.5 प्रतिशत अध्यापक ही नियमित अध्यापकों के व्यवहार से संतुष्ट हैं।

79.5 प्रतिशत अध्यापक, शिक्षा विभाग के नियमों से असंतुष्ट है, जिसमें 9.4 प्रतिशत डी.एड. प्रशिक्षित, 34.6 प्रतिशत बी.एड. प्रशिक्षित, 1.9 प्रतिशत एम.एड. प्रशिक्षित, 8.2 प्रतिशत बी.टी.सी. प्रशिक्षित तथा 45.9 प्रतिशत अप्रशिक्षित अध्यापक हैं जिससे निष्कर्ष निकलता है कि अप्रशिक्षित अध्यापक विभागीय नियमों से सर्वाधिक असंतुष्ट है।

60.5 प्रतिशत अध्यापक मिलने वाली सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट है, जिसमें 11.6 प्रतिशत डी.एड. प्रशिक्षित 31.4 प्रतिशत, बी.एड. प्रशिक्षित, 2.5 प्रतिशत एम.एड. प्रशिक्षित अध्यापक हैं, जिससे निष्कर्ष निकलता है कि सामाजिक प्रतिष्ठा से अप्रशिक्षित अध्यापक सर्वाधिक असंतुष्ट है, जबकि 39.5 प्रतिशत अध्यापक अपने पद पर कार्य करते हुये मिलने वाली सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

परिकल्पना के सार्थकता की जांच :–

पैरा शिक्षकों में व्यवसायिक योग्यता के आधार पर सिर्फ नियमित शिक्षकों के साथ व्यवहार में सार्थक अन्तर है। बाकी सभी व्यवसायिक कारकों में व्यवसायिक योग्यता के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

लिंग के आधार पर संतुष्ट पैराशिक्षकों का प्रतिशत

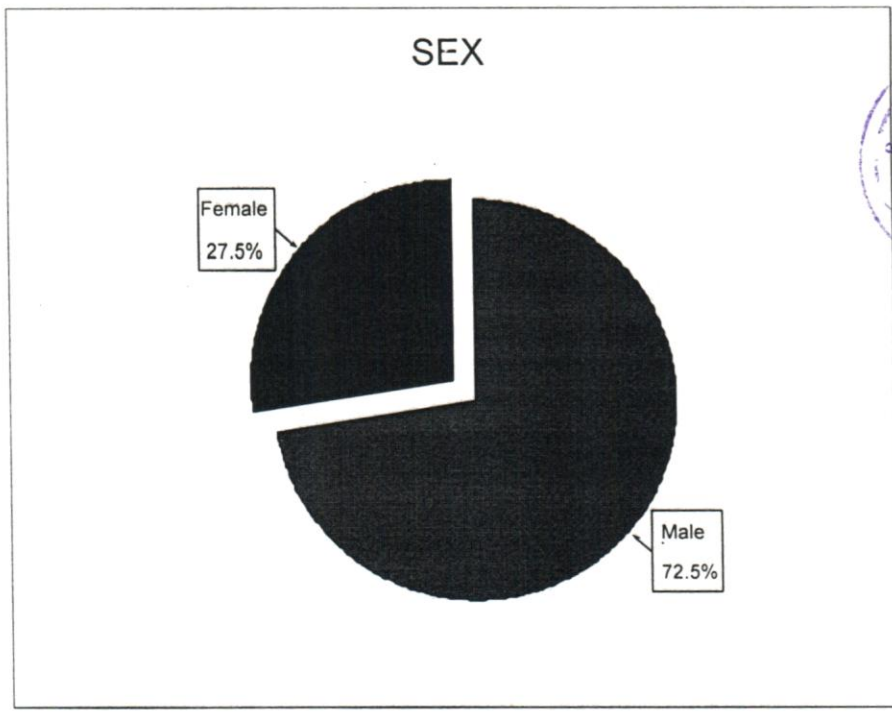

LIBRARY

विद्यालय के प्रकार आधार पर पैराशिक्षकों का प्रतिशत

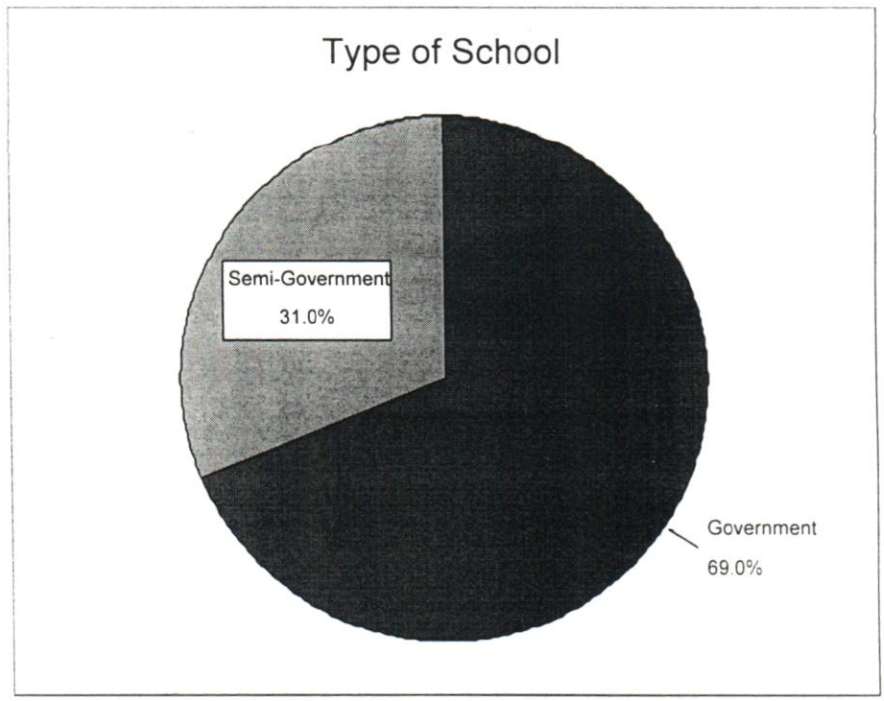

स्थानीय आधार पर पैराशिक्षकों का प्रतिशत

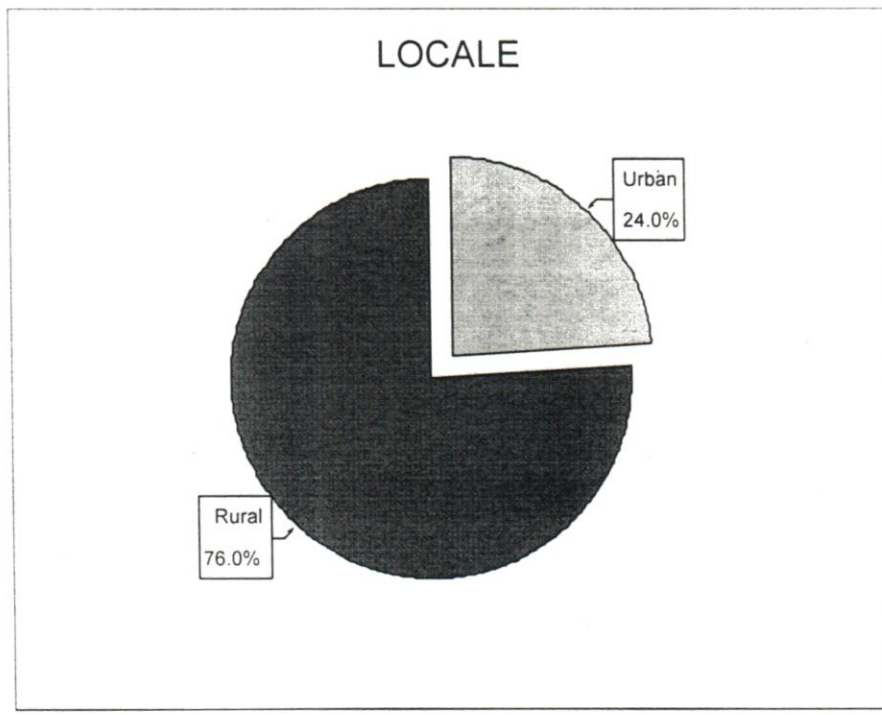

शैक्षणिक योग्यता के आधार पर पैराशिक्षकों का प्रतिशत

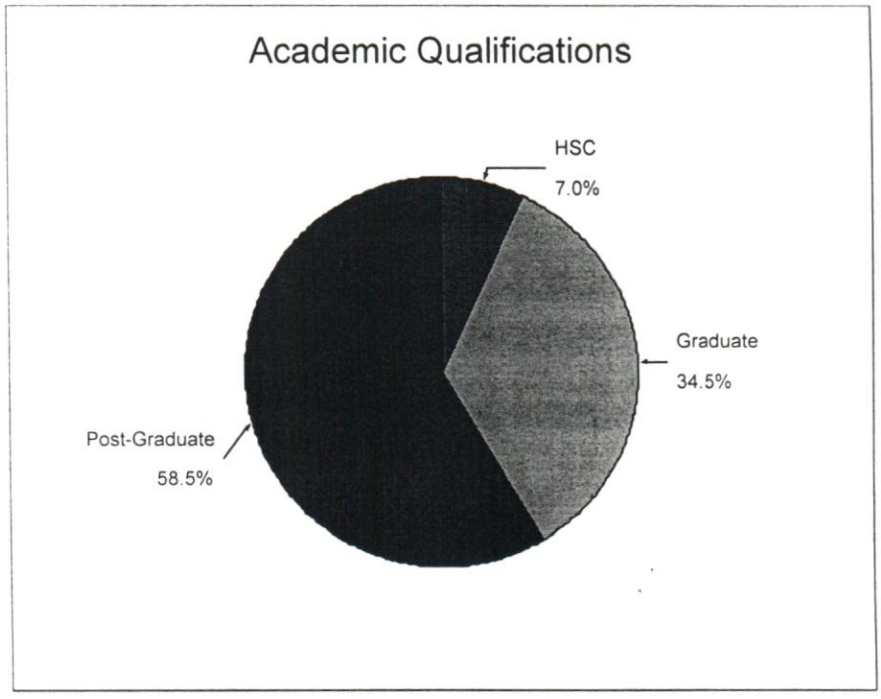

व्यावसायिक योग्यता के आधार पर पैराशिक्षकों का प्रतिशत

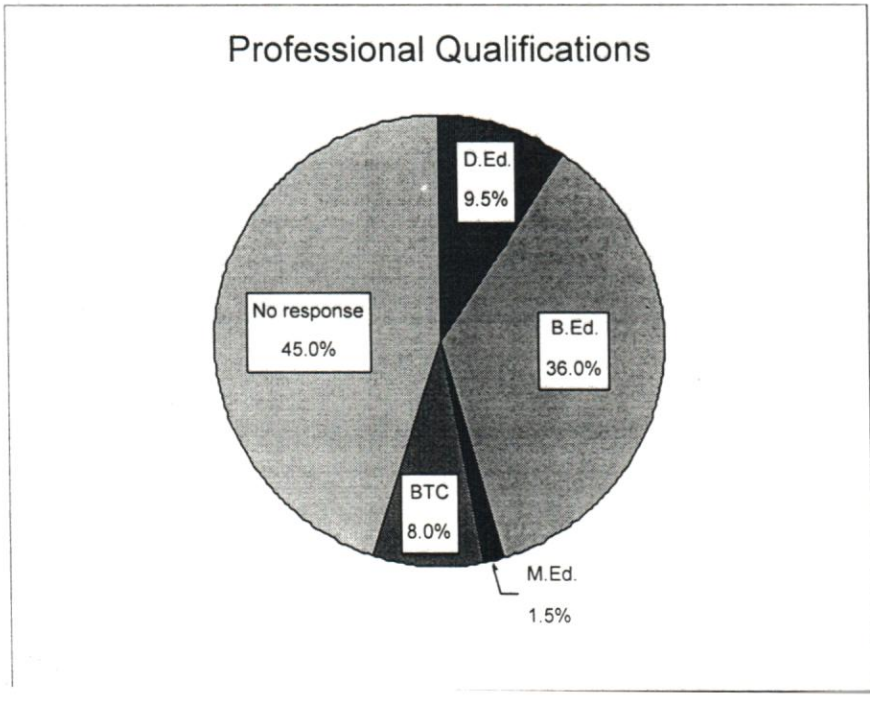

LIBRARY
Bhopal

लिंग क आधार पर व्यावसायिक कारकों से संतुष्ट पैराशिक्षकों का प्रतिशत

Job Satisfaction

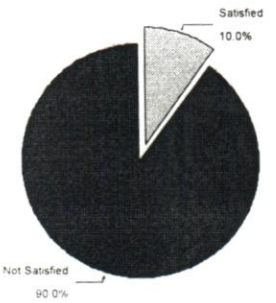

Work Satisfaction

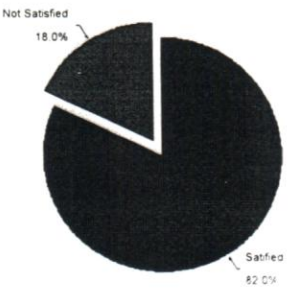

School Administration

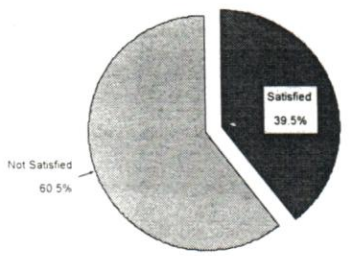

Satisfaction with Regular Teachers

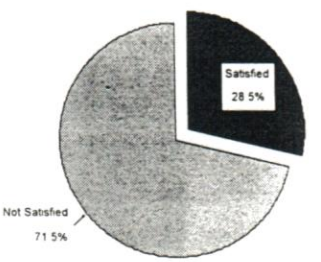

Departmental Rules

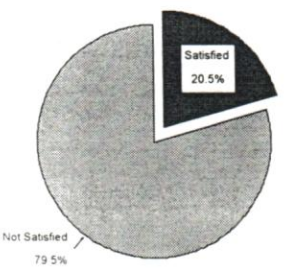

Social Status